ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में 1106 पाकिस्तानी

- भारतीय नागरिकता मिलने का कर रहे इंतजार
- अस्थायी वीजा पर रह 17 लोगों की वापसी

ठाणे. पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। राज्य सरकार ने इस आदेश पर अमल भी शुरू कर दिया है, जिसके तहत ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में अस्थायी वीजा पर रह रहे 17 पाकिस्तानी नागरिक अब वापस लौटने वाले हैं। इस बीच, आंकड़े सामने आए हैं कि ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में 1,106 पाकिस्तानी नागरिक हैं; हालांकि, ये पाकिस्तानी हैं, लेकिन ये सिंध प्रांत से हैं और इनमें से हजारों सिंधी पाकिस्तानी उल्हासनगर और आसपास के इलाके में 10 साल से अधिक समय से रह रहे हैं। इतना ही नहीं, जानकारी सामने आई है कि वह भारतीय नागरिकता का इंतजार कर रहे हैं।

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 27 पर्यटक मारे गए, जिनमें से तीन ठाणे जिले के डोंबिवली के निवासी थे। इसलिए इस आतंकवादी हमले का जख्म ठाणे जिले को भी लगा है। इस हमले के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग जोर पकड़ रही है। इसके लिए तमाम दलों और संगठनों ने धरना-प्रदर्शन के जरिए सरकार तक अपनी बात पहुंचाने की कोशिश की है। डोंबिवली के लोगों ने एक दिन का सख्त बंद रखकर इस घटना का विरोध किया। जहां नागरिकों की भावनाएं तीव्र हो गई हैं, वहीं केंद्र

सरकार ने भी भारत आए हर पाकिस्तानी नागरिक का पता लगाने और उन्हें उनके देश वापस भेजने का अभियान शुरू कर दिया है।

राज्य सरकार ने भी इस आदेश को लागू कर दिया है और राज्य में पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में जानकारी एकत्र कर ली है। इस बार 47 शहरों में 5,023 पाकिस्तानी नागरिक पाए गए हैं। इनमें से अकेले ठाणे जिले में 1,106 पाकिस्तानियों की पहचान की गई है। संपर्क करने पर ठाणे पुलिस आयुक्तालय की विशेष शाखा ने खबर की पुष्टि की; लेकिन यह बात सामने आई है कि उल्हासनगर शहर में पाकिस्तानी नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है। इनमें से 17 पाकिस्तानी अस्थायी वीजा पर भारत आए थे। उल्हासनगर में सिंधी लोगों की सबसे बड़ी आबादी है और पुलिस जांच से पता चला है कि वे वहां अपने रिश्तेदारों से मिलने आए थे। इन सभी पाकिस्तानियों को तुरंत देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है। विशेष शाखा के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया कि 14 लोग रविवार को घर लौट आए और शेष 3 लोग 28 अप्रैल को पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे।

हजारों सिंधी अभी भी भारतीय नागरिकता मिलने का कर रहे इंतजार

- देश के विभाजन के बाद सिंध प्रांत पाकिस्तान में चला गया। उस समय हजारों सिंधी नागरिकों ने ठाणे जिले के उल्हासनगर में शरण ली थी। इसलिए, उल्हासनगर में बड़ी संख्या में सिंधी समुदाय के लोग रहते हैं जो भारतीय हैं। उन्हें यहां संविधान के अनुसार सभी अधिकार मिले हुए हैं; लेकिन हजारों सिंधी अभी भी भारतीय नागरिकता का इंतजार कर रहे हैं।
- पिछले दो दशकों में पाकिस्तान के सिंध प्रांत से दीर्घकालिक वीजा पर आने वाले नागरिकों की यह सबसे अधिक संख्या है। भारत के लिए दीर्घकालिक वीज़ा केवल सिंध प्रांत से आने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को ही दिया जाता है। तदनुसार, ये सिंधी नागरिक हर साल अपने वीज़ा का नवीनीकरण कराते हैं।
- वे कई वर्षों से उल्हासनगर में व्यापार और उद्योग कर रहे हैं। पिछले साल 14 अगस्त को उल्हासनगर के 54 ऐसे सिंधी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई थी।
- दीर्घकालिक वीजा पर आये सिंधी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का अभी तक कोई आदेश नहीं दिया गया है। इसलिए ठाणे पुलिस ने भी कहा है कि उन्हें डरने की जरूरत नहीं है।

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 43 | अंक : 48 | सोमवार, 28 अप्रैल 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हासनगर में मिले 17 पाक नागरिक

- पुलिस की जांच में चौंकाने वाली जानकारी
- 28 अप्रैल तक भारत छोड़ने का आदेश

उल्हासनगर. जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद जहां देशभर में सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ा दी है, वहीं उल्हासनगर शहर से चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। जांच से पता चला है कि 17 पाकिस्तानी नागरिक अल्पकालिक वीजा पर उल्हासनगर में रह रहे हैं। इसलिए प्रशासन ने युद्धस्तर पर कार्रवाई करते हुए इन नागरिकों को 28 अप्रैल 2025 तक भारत छोड़ने का आदेश दिया है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान यह घटना सामने आई, जिससे शहर में सुरक्षा व्यवस्था के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है।

पुलिस उपायुक्त (जोन 4) सचिन गोरे के नेतृत्व में किए गए निरीक्षण के दौरान पता चला कि अकेले उल्हासनगर शहर में 17 पाकिस्तानी नागरिक अल्पकालिक वीजा पर रह रहे थे। यह भी पता चला है कि इनमें से कुछ के आवास में अनियमितताएं हैं। इसके चलते प्रशासन ने तत्काल कदम उठाते हुए सभी 17 नागरिकों को 28 अप्रैल तक भारत से वापस लौटने का स्पष्ट आदेश दिया है।

पुलिस ने चलाया विशेष तलाशी अभियान

जम्मू और कश्मीर में हाल ही में हुए भीषण आतंकवादी हमले के मद्देनजर। देश भर में सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। इस संबंध में उल्हासनगर जोन 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में पुलिस ने उल्हासनगर, विट्ठलवाड़ी, अंबरनाथ और बदलापुर चारों शहरों में विशेष तलाशी अभियान चलाया। इस ऑपरेशन का उद्देश्य अनधिकृत विदेशी नागरिकों, अल्पकालिक वीजा पर देश में रहने वाले विदेशी नागरिकों और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों का पता लगाना है। अंबरनाथ और बदलापुर में निरीक्षण के दौरान कोई पाकिस्तानी नागरिक नहीं मिला। हालांकि, यह पता चलने पर कि एक ही समय में इतनी बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक उल्हासनगर में रह रहे हैं, सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी सतर्कता बढ़ा दी है।

वीजा शर्तों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई

पाकिस्तानी नागरिकों के अल्पकालिक वीजा पर रहते पाए जाने के बाद तत्काल कड़ी कार्रवाई करते हुए कहा गया है कि देश की सुरक्षा के मामले में कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी संबंधित नागरिकों को 28 अप्रैल तक देश छोड़ने का आदेश दिया गया है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वीजा शर्तों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों को अपने क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए, ताकि शहर की शांति और सुरक्षा बरकरार रहे।

–**सचिन गोरे,** पुलिस उपायुक्त, उल्हासनगर जोन–4

उल्हासनगर में नलों में आ रहा मटमैला पानी

उल्हासनगर. नलों से आ रहे पीले और बदबूदार पानी से नाराज उल्हासनगर के नागरिकों का धैर्य जवाब दे रहा है। यद्यपि नदी से जलकुंभी निकाल दी गई है, फिर भी पानी अशुद्ध है? एमआईडीसी शुद्ध जल उपलब्ध कराता है; तो फिर मनपा की जल आपूर्ति रंगीन क्यों है? शहर में इन मुद्दों को लेकर अब कई प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं।

उल्हासनगर शहर के हजारों घरों में पिछले एक सप्ताह से नलों से पीला और गंदा पानी आने के कारण लोगों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस पानी के कारण कई नागरिकों को दस्त, उल्टी, त्वचा रोग और जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। उल्हासनगर मनपा ने इसका कारण उल्हास नदी में जलभराव बताया है। लेकिन जलकुंभी को हटाने का काम केवल तीन दिन पहले ही पूरा हुआ था। फिर भी, प्रशासन इस बात का संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया है कि पानी अभी भी पीला, नीला-हरा, बदबूदार और गंदा क्यों है। मनपा स्वच्छ पानी कब उपलब्ध कराएगा? यह सवाल नागरिकों की जुबान पर है।

राजेश वढारिया ने शहाड एमआईडीसी जल शुद्धिकरण केंद्र का दौरा कर पानी का निरीक्षण किया।

पूर्व भाजपा पार्षद राजेश वढ़ारिया ने शहाड में एमआईडीसी के जल शुद्धिकरण केंद्र का दौरा किया। उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों व तकनीशियनों से जानकारी ली तो स्पष्ट हुआ कि शहाड़ केंद्र से केवल पूर्णतया शुद्ध पानी ही सप्लाई किया जा रहा है। इससे महानगर पालिका की जल आपूर्ति प्रणाली की खामियां और अधिक स्पष्ट हो गई हैं। वढारिया ने संभावना जताई है कि पाइपलाइन में लीक, जंग या खराब रखरखाव के कारण पानी दूषित हो रहा है।

अंबरनाथ नपा कार्यालय में ठेकेदार लड़ पड़े

- बुवापाड़ा में बिना वर्क आर्डर काम की शिकायत पर अशोक शाह को ठेकेदार शरनप्पा ने मारा
- पुलिस में शिकायत दर्ज

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा बिना वर्क आर्डर लिए एवं गटर का निर्माण घटिया दर्ज का करने पर बुवापाड़ा का एक ठेकेदार एवं मुख्याधिकारी को शिकायत करने वाले लोकाधिकार सामाजिक संस्था के अशोक साह में शुक्रवार को हाथापाई और धक्का-मुक्की हो गई. अंबरनाथ नगर परिषद कार्यालय में ये घटना शुक्रवार शाम में हुई है. अशोक ने नए ठेकेदार एवं शिवसेना के कार्यकर्ता शरनप्पा उनीभावी के खिलाफ अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में दफा 352, 115(2) के अनुसार अपराध दर्ज कराया है. अशोक के अनुसार उनके घर के सामने ठेकेदार शरनप्पा ने बाजू में ज्यादा अंदर

गटर बनवाया है. शुक्रवार को अशोक नपा बांधकाम विभाग में ठेकेदार के खिलाफ शिकायत करके बाहर आए तो ठेकेदार को गुस्सा आ गया. उसने अशोक को गालीगलौज करके हाथ से मारा. अशोक शाह और यहां के निवासी विपिन पटवा ने मुख्याधिकारी से लिखित शिकायत की है कि गटर का काम एकदम घटिया दर्जे का किया जा रहा है. बिना वर्क आर्डर के नपा के संबंधित विभाग के अधिकारी की मिलीभगत से बुवापाड़ा में चार ठेके के काम हो रहे हैं. जिसका वर्क आर्डर नहीं है. इस काम को तुरंत बंद करके एवं जांच करके ठेकेदार को बिल अदा ना करने की मांग की गई है. गत कई दिनों से नपा गलियारे में ये चर्चा जोरों पर है कि ठेकेदार को लेकर शहर में हत्या भी हो सकती है.

अंबरनाथ में चोरों का आतंक

- चोर CCTV में कैद
- शिवगंगा नगर इलाके में की चोरी
- शिवाजी नगर पुलिस थाने में मामला दर्ज
- आधी रात को दो दिनों में सेंधमारी

अंबरनाथ. अंबरनाथ के शिवगंगा नगर इलाके में अज्ञात चोरों ने आधी रात के आसपास दो दुकानों में सेंध लगाई और चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। अज्ञात चोरों ने सुबह करीब तीन बजे शिवगंगा नगर क्षेत्र के मुख्य चौक पर स्थित दो दुकानों जय दुर्गा इलेक्ट्रिकल और ओम लैब में सेंध मारी की। दुकान में घुसने वाले चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए। रात में किसी के न होने का फायदा उठाकर दोपहिया वाहन पर सवार होकर आए चोरों ने चाकू की मदद से दुकान के शटर का ताला तोड़ दिया और दुकान में घुस गए। चोरों ने दुकान से सामान और कीमती सामान चुरा लिया। इस बीच, इस संबंध में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं को देखते हुए स्थानीय लोगों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

अनाधिकृत नल कनेक्शन काटे गए

- उल्हासनगर में घरों, दुकानों, इमारतों का निरीक्षण शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर निवासियों, पानी की बर्बादी बंद करो; अन्यथा, मनपा की ओर से जुर्माना भरने की चेतावनी उल्हासनगर मनपा ने दी है। मनपा द्वारा शहर में चलाए गए विशेष अभियान से अनाधिकृत पाइप जोड़ने वालों पर रोक लग गई है। जल आपूर्ति संकट को बढ़ाने वाले अनधिकृत नल कनेक्शनों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की गई है। हर घर, दुकान और इमारत का निरीक्षण शुरू हो गया है।

उल्हासनगर शहर में पानी की बढ़ती मांग, अनियमित जलापूर्ति और अनाधिकृत नल कनेक्शनों से होने वाली समस्याओं को देखते हुए मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जल आपूर्ति विभाग ने अनाधिकृत पाइप कनेक्शनों की पहचान करने और उन्हें तुरंत काटने के लिए अभियान चलाया है। इसके लिए मनपा अधिकारी और कर्मचारी घर-घर जाकर निरीक्षण कर रहे हैं। मनपा द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार, बर्बादी रोकना तथा अधिकृत उपभोक्ताओं को पर्याप्त एवं लाभकारी जल उपलब्ध कराना है। कई बार अनधिकृत नल कनेक्शनों के कारण सरकारी आपूर्ति पर दबाव पड़ता है। परिणामस्वरूप, पानी का दबाव कम हो जाता है और नागरिकों को समय पर आपूर्ति नहीं मिल पाती।

मनपा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि प्रशासन का सहयोग करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। अनधिकृत नल कनेक्शनों की संख्या कम करके ही जल आपूर्ति को अधिक कुशल और समतापूर्ण बनाया जा सकता है।

यदि नागरिकों ने अपने घरों, दुकानों या इमारतों में अनधिकृत पाइपलाइन कनेक्शन लगा रखे हैं, तो उन्हें तुरंत बंद करा देना चाहिए। साथ ही मनपा को भी इसकी जानकारी दी जाए; अन्यथा, यदि ऐसे अपंजीकृत कनेक्शन पाए गए तो सीधे दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, ऐसा मनपा के अधिशासी अभियंता (जल आपूर्ति विभाग) अशोक घुले ने कहा।

शहर में जलापूर्ति सुचारू एवं निष्पक्ष बनाए रखने के लिए अनाधिकृत नल कनेक्शनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। नागरिकों को स्वयं ही अनाधिकृत कनेक्शन रोककर प्रशासन का सहयोग करना चाहिए; अन्यथा, कार्रवाई अपरिहार्य है।

– **मनीषा अव्हाले,** आयुक्त,

सेंचुरी गेट पर श्रमिकों की यलगार सभा

उल्हासनगर. दो दशक बाद, सेंचुरी रेयान कंपनी गेट पर उमड़े श्रमिकों के स्वतःस्फूर्त सैलाब ने कंपनी के कथित और असंवैधानिक चुनाव के खिलाफ गगनचुम्बी नारे लगाए। सेंचुरी रेयान वर्कर्स स्ट्रगल कमेटी के नेतृत्व में आयोजित आम बैठक में हजारों श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रमिकों के अधिकारों के लिए एक बार फिर उग्र आंदोलन शुरू हो गया है और इस बार पारित पांच प्रस्तावों ने एकता के मजबूत रुख को रेखांकित किया है।

शहाड स्थित सेंचुरी रेयान के गेट पर पिछले 20 वर्षों में ऐसा दृश्य कभी देखने को नहीं मिला। हजारों श्रमिक असंवैधानिक चुनाव का कड़ा विरोध करने तथा अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के लिए एकजुट हुए। सेंचुरी रेयान वर्कर्स स्ट्रगल कमेटी के नेतृत्व में आयोजित यह बैठक महज एक विरोध सभा नहीं थी, बल्कि एक नए संघर्ष की घोषणा थी। हजारों श्रमिकों ने दोपहर की चिलचिलाती धूप में एकजुटता के नारे लगाते हुए भाग लिया। श्रमिकों के अधिकारों को कमजोर करने वाले कथित चुनाव की निंदा करते हुए सभी श्रमिकों ने अपना दृढ़ निश्चय व्यक्त किया कि जब तक चुनाव मतपत्र के माध्यम से नहीं होता, यह अस्वीकार्य है। इस बार श्रमिक नेता राजाराम सालवी को सर्वसम्मति से बैठक का अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने पूर्व में भंग हो चुके श्रमिक संघ द्वारा कराए गए अवैध चुनावों की कड़ी निंदा की।

इस आंदोलन को क्षेत्रीय समर्थन भी मिला। बैठक के अंत में मोहन कंडारे ने उपस्थित सभी लोगों के साथ-साथ पुलिस, यातायात और नगरपालिका प्रशासन को धन्यवाद दिया। सेंचुरी रेयान के गेट से आती यह आवाज अब रुकने वाली नहीं है। यह तो एक शुरूआत है। मोहन कंडारे ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि श्रमिकों के अधिकारों के लिए लड़ाई का एक नया युग शुरू होगा, जहां पारदर्शिता, लोकतंत्र और अधिकारों के बीच लड़ाई निर्णायक होगी।

आम नागरिकों को शीघ्र न्याय दिलाने आवश्यक उपाय जरूरी -जस्टिस अभय ओक

- ठाणे जिला एवं सत्र न्यायालय के नए भवन का उद्घाटन संपन्न

ठाणे. हमें यह ध्यान रखना होगा कि हमारे संविधान के 75 वर्ष बाद भी हम सामान्य नागरिकों को समय पर न्याय दिलाने में असमर्थ हैं। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति अभय ओक ने यहां कहा कि आज की स्थिति में यह आवश्यक है कि आम आदमी को शीघ्र न्याय मिले, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। ठाणे जिला न्यायालय परिसर में जिला एवं सत्र न्यायालय की नई इमारत का उद्घाटन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अभय ओक के हाथों और उपमुख्यमंत्री तथा ठाणे जिले के पालकमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में हुआ। वह उस समय बोल रहे थे।

इस अवसर पर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे, न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी, न्यायमूर्ति श्रीराम मोडक, न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख, न्यायमूर्ति गौरी गोडसे, न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे, न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना, ठाणे के मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीनिवास अग्रवाल, ठाणे के जिला न्यायाधीश-1 और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सूर्यकांत शिंदे, जिला एवं तालुका स्तर की अदालतों के न्यायाधीश, साथ ही महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल के अध्यक्ष एड. सुदीप पासबोला और सदस्य एड. गजानन चव्हाण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ईश्वर सूर्यवंशी, ठाणे जिला वकील संघ के अध्यक्ष एड. प्रशांत कदम, सांसद नरेश मस्के, विधायक संजय केलकर, जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे, संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख, उपायुक्त मीना मकवाना, अतिरिक्त कलेक्टर हरिश्चंद्र पाटिल, अधीक्षक अभियंता सिद्धार्थ तांबे, प्रांतीय अधिकारी उर्मिला पाटिल, कार्यकारी अभियंता सुनील पाटिल और संजय पुजारी, सहायक पुलिस आयुक्त प्रिया ढाकने, तहसीलदार उमेश पाटिल, उप अभियंता स्नेहल कालभोर और रविशंकर सूर्यवंशी, जिले के वकील, लॉ कॉलेज के छात्र और नागरिक उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि ठाणे जिला वकील संघ विकेंद्रीकरण का विरोध नहीं करता है। सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से पुराने मामलों का समाधान कैसे किया जाए, इस पर 2 वर्ष की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस कार्ययोजना के क्रियान्वयन में ठाणे सबसे आगे है। यह सभी वकीलों के सहयोग के कारण ही संभव हो पाया है। आम नागरिकों को 'गुणवत्तापूर्ण न्याय' मिलना चाहिए। उन्होंने आम नागरिकों को न्याय उपलब्ध कराने के लिए सभी से मिलकर काम करने की अपील की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उपमुख्यमंत्री और पालकमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि ठाणे के लोगों के लिए यह खुशी और संतोष का दिन है। जिला एवं सत्र न्यायालय के लिए बहुत अच्छी बिल्डिंग बनाई गई है और यहां सभी लोग खुले वातावरण में काम करेंगे।

इस कार्यक्रम के अवसर पर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे, न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी, न्यायमूर्ति श्रीराम मोदक, न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना, महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल के अध्यक्ष एड. सुदीप पासबोला ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना की छवि की पूजा के साथ हुई। इस कार्यक्रम के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत ठाणे जिल्हा वकील संघटन के अध्यक्ष ॲड.प्रशांत कदम व कार्यक्रम का संचालन राहुल घाघ ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन एडवोकेट गजानन चव्हाण ने दिया।

अंबरनाथ ACP कार्यालय पर बहुजन मुक्ति मोर्चा का जनाक्रोश मोर्चा

बदलापुर. बदलापुर में डेढ़ महिना पहले कई लोगों ने मिलकर अक्षय गायकवाड़ को लाठी, पेवर ब्लॉक से मारकर घायल किया था. इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपियों को अब तक गिरफ्तार नहीं किया है. उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर अंबरनाथ और बदलापुर के दलित समाज के लोगों ने बहुजन मुक्ति मोर्चा के बैनर तले एवं निलेश ऐवले के नेतृत्व में रविवार को अंबरनाथ सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय पर जनाक्रोश मोर्चा निकाला. जिसमें शाम गायकवाड़ भी शामिल रहे. ये मोर्चा अंबरनाथ नपा कार्यालय से होकर स्टेशन चौक पश्चिम से होते हुए सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय पर पहुंचा. पुलिस का कड़ा बंदोबस्त रहा. निलेश ऐवले ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि घायल अक्षय गायकवाड़ पर झूठे अपराध दर्ज किए गए हैं. उसे भीड़ ने लादी, लकड़ी से चेहरे, बदन पर इतना मारा है कि उनकी आंख लाल हो गई, हड्डियों में फ्रेक्चर आने के बाद आरोपियों पर बदलापुर पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज करने के बाद भी पुलिस किसी दबाव में आकर उन्हें गिरफ्तार नहीं कर रही है. अगर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो बहुजन समाज के लोग एसीपी कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठ जाएंगे, ऐसा निलेश ऐवले ने कहा है. इस मोर्चे के बाद पुलिस प्रशासन हिल गया है. मोर्चे नें पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल थीं. एसीपी कार्यालय के बाहर नारेबाजी भी की गई.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

आतंक के खिलाफ उठी जनता की आवाज

जम्मू-कश्मीर पिछले कई दशक से आतंकवाद से त्रस्त है। इसका असर स्थानीय आबादी के एक हिस्से पर भी पड़ा है। ऐसे आरोप भी सामने आए कि वहां आतंकवादी हमलों के खिलाफ अपेक्षित प्रतिरोध मुखर नहीं दिखता। मगर पहलगाम में आतंकवादियों ने बर्बरता की सारी हदें पार करते हुए जिस तरह छब्बीस पर्यटकों को मार डाला, उसके बाद कश्मीरी जनता का गुस्सा उभरा है। खासकर अनंतनाग और उसके आसपास के इलाकों को आतंक का गढ़ माना जाता है, वहां रहने वालों के भीतर इस घटना के खिलाफ जैसा आक्रोश पैदा हुआ, वह किसी भी जिम्मेदार और संवेदनशील समाज में एक जरूरी प्रतिक्रिया होती है।

दरअसल, इस इलाके को एक समय प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के कथित कमांडर बुरहान वानी और रियाज नायकू के गढ़ के रूप में जाना जाता था। मगर अब इस इलाके के निवासियों ने पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद अब सार्वजनिक रूप से 'आतंकवाद बंद करो' और 'निर्दोष लोगों की हत्या बंद करो' के नारे के साथ विरोध जताना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, समूची कश्मीर घाटी में इस मसले पर स्थानीय आबादी के बीच स्वतः स्फूर्त विरोध उभरा और व्यापक पैमाने पर लोगों ने इस घटना की निंदा की, प्रदर्शन किया। करीब साढ़े तीन दशक के दौरान आतंकवाद के खिलाफ वहां के लोगों में शायद ही कभी इतने बड़े पैमाने पर गुस्सा उभरा था। जाहिर है, इसकी अनेक वजहें हैं, जिसमें पहलगाम में हुई बर्बरता का स्वरूप एक तात्कालिक कारण है। सच यह है कि कश्मीर में इस बड़े बदलाव के पीछे आतंकवादी संगठनों के हमलों की वह निरंतरता है, जिसकी मार कश्मीर के लोगों को झेलनी पड़ी है। दरअसल, समूचा कश्मीर पर्यटन से जीवन पाता है और यह वहां की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। आतंकवाद की आग ने वहां के पर्यटन उद्योग पर कैसा असर डाला है, यह किसी से छिपा नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में धीरे-धीरे सहजता आने की वजह से कश्मीर में पर्यटन फिर से जोर पकड़ रहा था और वहां के स्थानीय लोगों को शांति, लोकतंत्र और स्थिरता की अहमियत समझ में आ रही है। कश्मीरी अवाम की इस भावना को उम्मीद की एक किरण के तौर पर देखा जा सकता है।

न भूलें मानवता को कलंकित करने वाली बर्बर घटना

पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों की ओर से जिस तरह पर्यटकों से उनका मजहब पूछकर हत्या की गई, वह मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी बर्बर घटना है, जिसकी मिसाल मुश्किल से मिलती है। जिहादी आतंकियों ने पहले भी तमाम घटनाओं को अंजाम दिया है, पर कम से कम भारत में यह पहली बार है, जब लोगों का मजहब पता कर हत्या की गई हो।

साफ है आतंकी मजहबी उन्माद से प्रेरित थे। आतंकियों की ओर से इस तरह हत्या करने का एक मकसद भारत में हिंदू-मुस्लिम खाई पैदा करना भी था। यह अच्छा है कि उनके और पाकिस्तान के इस मकसद को पूरा न होने देने के लिए भारत के लोगों ने कमर कस ली है। मुस्लिम समाज ने पहलगाम की घटना का जिस तरह विरोध किया, काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी और कहा कि इस घटना ने इस्लाम को बदनाम किया है, वह स्वागतयोग्य है। देश में आगे भी सद्भाव बना रहे, यह देखना सभी समुदायों की जिम्मेदारी है।

पहलगाम की घटना उन चुनिंदा आतंकी घटनाओं जैसी है, जिसने दुनिया का आतंक के प्रति सोच बदला। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने स्थानीय आतंकियों से मिलकर इस घटना को अंजाम इसलिए भी दिया, ताकि यह दिखा सकें कि कश्मीर का माहौल बदला नहीं और वहां शांति नहीं लौट रही है। पाकिस्तान को कश्मीर में सामान्य होती स्थितियां रास नहीं आईं और उसने पहलगाम हमले की साजिश रची। पाकिस्तान से आतंकी कश्मीर में घुसने की

कोशिश करते ही रहते हैं।

कुछ पकड़े जाते हैं, कुछ मारे जाते हैं और कुछ कश्मीर के आतंकियों से मिलकर आतंक को बढ़ावा देते हैं। यह सिलसिला इसलिए रुक नहीं रहा, क्योंकि कश्मीर में अब भी कुछ लोग ऐसे हैं, जो जिहादी मानसिकता से ग्रस्त हैं और इस मुगालते में हैं कि वे पाकिस्तान की मदद से आतंक के सहारे कश्मीर को मजहब के नाम पर आजाद करा लेंगे। इसीलिए वे आतंक की राह पर चलते रहते हैं। इसके लिए पाकिस्तान उन्हें उकसाता ही नहीं है, हथियार और प्रशिक्षण देने के साथ हर तरह की मदद भी देता है। इन मुट्ठी भर लोगों की पहचान तब संभव है, जब कश्मीर की जनता उनके खिलाफ खुलकर खड़ी हो। पहलगाम की घटना के बाद अनेक लोग खड़े हुए, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि पर्यटकों पर कहर बरपाने वाले आतंकी छिपने में सफल रहे। आखिर किसी ने तो उनकी मदद की होगी।

कश्मीर में स्थितियां सामान्य हो रही हैं, यह संदेश भारत सरकार लगातार देश-दुनिया को दे रही थी। इसके लिए वहां जी-20 सम्मेलन से जुड़े कार्यक्रम और विधानसभा चुनाव कराए गए, पर कश्मीर में सब कुछ सामान्य नहीं था। वहां आतंकियों और उनके समर्थकों की गतिविधियां जारी थीं। इसी कारण वहां आतंकी घटनाएं हो रही थीं, जिनमें सेना को भी निशाना बनाया जा रहा था। इन घटनाओं की तह तक जाने की जरूरत थी। पहलगाम की घटना इस ओर संकेत करती है कि कश्मीर में कुछ ऐसे आतंकी तत्व भी शांति के पक्ष में होने का दिखावा करने लगे थे, जिन्हें आर्थिक लाभ के चलते पर्यटकों के आने से तो कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन वे भारत से बैर करना और आतंकियों का साथ देना नहीं छोड़ रहे थे। ऐसे सभी तत्वों की पहचान और धरपकड़ पर प्राथमिकता से ध्यान दिया जाना आवश्यक था। आतंकी घटनाओं में कमी के बाद भी आतंक के प्रत्येक समर्थक की चुन-चुन कर कमर तोड़ी जानी चाहिए थी, ताकि वे पाकिस्तानी आतंकियों से मिलकर कोई कारनामा न कर पाते।

पहलगाम की घटना के बाद इस प्रश्न का जवाब भी मिलना चाहिए कि आखिर पहलगाम में जहां पर रोज दो-ढाई हजार पर्यटक पहुंच रहे थे, वहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए? पहलगाम के पहले कश्मीर में पाकिस्तान प्रायोजित जो आतंकी घटनाएं हुईं, उनके लिए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया गया। उड़ी में हमले के बाद सीमा पार सर्जिकल स्ट्राइक की गई। इसके बाद पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक की गई। पाकिस्तान ने भारत की इन सैन्य कार्रवाइयों से सबक नहीं सीखा। वह सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर के नेतृत्व में फिर से पुरानी राह पर आ गया।

यह जानना कि प्रभु हमारे साथ हैं, हमें जीवन की परेशानियों का सामना करने के लिए हिम्मत व धैर्य प्रदान करता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

बर्बरता के बाद फूटा कश्मीर का गुस्सा

यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी है कि जब भी राष्ट्रीय सुरक्षा का मसला उठता है, तो सभी राजनीतिक दल अपने नफे-नुकसान से ऊपर उठ कर एकजुटता दिखाते और सार्थक समाधान के उपाय तलाशते हैं। पहलगाम आतंकी हमले पर राजनीतिक दलों की एकजुटता और सरकार को खुले मन से समर्थन इस अर्थ में सराहनीय है। इस मामले में सरकार ने भी लचीला रुख दिखाया और स्वीकार किया कि सुरक्षा व्यवस्था में उसकी तरफ से चूक हुई है। दरअसल, विपक्षी दल इसी मुद्दे पर लगातार सवाल पूछ रहे थे। सरकार ने उसे टालने का प्रयास नहीं किया और अपनी कमजोरी को स्वीकार किया। इससे आगे की रणनीति पर काम करने में आसानी होगी।

सबसे बड़े विपक्षी दल के अध्यक्ष ने कहा कि इस मसले पर सरकार जो भी फैसला करेगी और कदम उठाएगी, उसमें उनकी पार्टी उसके साथ खड़ी रहेगी। अन्य सभी विपक्षी दलों ने भी सरकार को यही भरोसा दिलाया। निस्संदेह इससे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक सशक्त संदेश गया और इस आतंकी हमले को लेकर सियासत करने का सिलसिला भी समाप्त हो गया है। अच्छी बात है कि सरकार ने इस मसले पर देश के सभी राजनीतिक दलों को अपने साथ जोड़ लिया।

हालांकि ऐसे नाजुक मामलों में

सूचनाएं और संसाधन सरकार के पास ही होते हैं और आगे के कदम उसे ही उठाने होते हैं, पर वह विपक्षी दलों को नजरअंदाज नहीं कर सकती। जिन मामलों में पूरे देश के प्रतिनिधित्व की जरूरत होती है, उनमें उन्हें साथ लेना ही चाहिए।

यही परंपरा भी रही है। अगर ऐसा न होता, तो बेवजह सियासी रस्साकशी शुरू होती, जो कि किसी भी रूप में अच्छा नहीं कहा जा सकता। विपक्षी दलों ने अपनी लोकतांत्रिक मर्यादा निभाई है, अब सरकार पर है कि वह किस तरह उनकी भावनाओं का मान रखती है। यों, ऐसे मौकों पर सरकार के ऊपर कई अतिवादी किस्म के दबाव भी बनते हैं, जो कि बन भी रहे हैं। पर क्या देश के हित में है, उसका फैसला अंतिम रूप से सरकार को ही करना पड़ता है।

विपक्षी दलों की तरफ से एक सुझाव आया कि सरकार को सीमा पार आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए। सभी ने पाकिस्तान पर शिकंजा कसने के लिए सरकार के फौरी फैसलों की सराहना की है। पर देश के बहुत सारे लोगों की भावना पाकिस्तान के खिलाफ सख्त और निर्णायक कदम उठाने की है। भारत के फैसलों के जवाब में पाकिस्तान ने जो कदम उठाए हैं, उससे जाहिर है कि वह रार लेना चाहता है। भारत के सामने पाकिस्तान की हैसियत बहुत मामूली है। वह इस वक्त बहुत बुरे दौर से गुजर रहा है। जबकि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया के देश इसकी तरफ सम्मान की नजर से देखते हैं। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में अलग-थलग पड़ा हुआ है। वहां की हुकूमत खुद अपनी अहमियत के लिए जूझ रही है। ऐसे में भारत को उसे सबक सिखाने के लिए बहुत ठंडे दिमाग से फैसला करना होगा। पुलवामा की घटना के बाद जिस तरह उस पर निरंतर दबाव बनाए रखने की जरूरत थी, उस पर फिर से विचार किया जा सकता है। आतंकवाद से निपटने के मसले पर भारत को दुनिया के अनेक देशों का समर्थन हासिल है, इसलिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को खत्म करने को लेकर रणनीति बनाना महत्त्वपूर्ण हो सकता है। सर्वदलीय बैठक में सुझाए गए बिंदुओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

एक खास उम्र में शुरू हो जाता है बुरी आदतों का असर

जरा हट के

इंसान को सेहत बनाने के लिए बहुत अनुशासित और कई बुरी आदतों से दूर रहना होता है. इनमें सिगरेट शराब का सेवन, सबसे प्रमुख और खतरनाक माना जाता है. वैज्ञानिक और डॉक्टर ये तो बताते हैं कि खराब आदतों और गड़बड़ लाइफस्टाइल इंसान को लंबे जीवन जीने से रोकती है. पर यह बताना मुश्कल है कि ऐसा कब से शुरू होने लगेगा. और इनके रहते समय के साथ सेहतमंद बने रहना भी मुश्किल होता चला जाता है. अब एक अनूठी रिसर्च में वैज्ञानिकों ने यह पता लगा लिया है कि आखिर किस उम्र में ये बुरी आदतें शरीर पर दिखाना शुरू कर देती हैं

इस रिसर्च के लिए वैज्ञानिकों की एक टीम ने 1959 के बाद पैदा हुए सैंकड़ों बच्चों पर उनकी 61 साल की उम्र तक नज़र रख पड़ताल की. रिसर्च में उन्होंने एक चौंकाने वाला नतीजा मिला कि जो लोग नियमित तौर से शराब पीते हैं,

सिगरेट पीते हैं , और बहुत ही कम कसरत करते हैं, उनमें बीमार होने या निराश होने की संभावना कम हो जाती है. और यह सब केवल 36 साल की उम्र में ही शुरू हो जाता है.

फिनलैंड में लॉरिया यूनिवर्सिटी की डॉ. टिया केकेलेनेन का कहना है कि उनकी पड़ताल के नतीजों से पता चला है कि लंबे समय तक होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सेहत संबंधी बर्ताव से जल्दी निपट लेना चाहिए. खराब आदतें आखिर में बुरी मानसिक और शारीरिक अवस्था में पहुंचा देती हैं. रिसर्च के नतीजे एनल्स ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुए हैं.

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुस्त और गतिहीन लाइफस्टाइल कई तरह की सेहत संबंधी समस्याएं देती हैं जिनमें सबसे प्रमुख शारीरिक समस्याएं होती हैं. वहीं दूसरी तरफ धूम्रपान का संबंध मानसिक स्वास्थ्य से है और शराब का सेवन पूरी के पूरे स्वास्थ्य पर ही बुरा असर डालता है. पर शोधकर्ताओं का कहना हैकि अगर इन बुरी आदतों को मिडिलएज में यानी 36 साल से पहले ही छोड़ दिया तो बुढ़ापे में सेहत बेहतर रहेगी. केकेलेनेन का कहना है कि दिल के रोग और कैंसर से दुनिया में तीन चौथाई मौतें होती हैं. लेकिन केवल अच्छी लाइफ स्टाइल से इसका जोखिम काफी कम किया जा सकता है.

दही सैंडविच

खाना-खजाना

सैंडविच बनाना बेहद आसान होता है और यह खाने में भी काफी स्वादिष्ट होता है। इसलिए अगर आप ब्रेकफास्ट या शाम के नाश्ते के लिए सैंडविच बनाने का सोच रहे हैं, तो इस बार क्यों न दही सैंडविच ट्राई करके देखें। दही सैंडविच खाने में बेहद स्वादिष्ट होता है। आइए जानें दही सैंडविच बनाने की रेसिपी।

सामग्री :

- 1 कप ताजा दही (गाढ़ा)
- 4-5 ब्रेड स्लाइस
- 1 छोटा खीरा
- 1 छोटा टमाटर
- 1 छोटा प्याज
- हरा धनिया
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा पाउडर
- 1/2 छोटा चम्मच काला नमक
- 1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- 1 छोटा चम्मच नींबू का रस
- हरी चटनी
- टमाटर केचअप

विधि :

एक बाउल में गाढ़ा दही लें और उसे अच्छी तरह फेंट लें। अब इसमें बारीक कटा हुआ खीरा, टमाटर, प्याज और हरा धनिया मिलाएं। इसके बाद इसमें जीरा

पाउडर, काला नमक, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

अगर आपको इस फिलिंग को हल्का खट्टा बनाना है, तो इसमें नींबू का रस भी मिला सकते हैं।

अब ब्रेड की एक स्लाइस लें और उसे दोनों तरफ से हल्का टोस्ट कर लें, ताकि ब्रेड ज्यादा नरम न लें। अगर चाहें, तो ब्रेड के किनारे काट सकते हैं। अब स्लाइस पर टमाटर केचअप लगाएं और दूसरी स्लाइस पर हरी चटनी। इसके बाद दही की फिलिंग की एक परत फैलाएं और ऊपर से दूसरा ब्रेड स्लाइस रखकर हल्का दबाएं। सैंडविच को तिरछा काट लें और प्लेट में धनिया-पुदीना की चटनी या टमाटर केचअप के साथ परोसें।

लाख कोशिशों के बाद भी पीछे रह जाता है बच्चा!

तो इन तरीकों से पता करें इसकी वजह

बच्चों की परवरिश करना हमेशा से ही मुश्किल टास्क रहा है। खासकर मौजूदा समय में यह और भी मुश्किल हो चुका है। अगर आप भी एक पेरेंट हैं, तो अक्सर अपने बच्चों के पीछे रह जाने की वजह से परेशान रहते होंगे। क्या आप भी उनमें से हैं, जो अपने बच्चे की विफलता और उसके अंदर मौजूद कमियों से हताश हैं।

आपकी हजार कोशिशों के बावजूद भी अगर आप अपने बच्चे में कोई भी बदलाव लाने में असमर्थ हैं, तो जरूरी है बच्चे की विफलता का असल कारण की तलाश करना। बच्चा अपने साथी बच्चों के बराबर या उनसे आगे रहे इसके लिए उनकी परवरिश में छोटी और बारीक बातों पर ध्यान देना चाहिए, जो निम्न हैं-

ऑब्जर्व करें

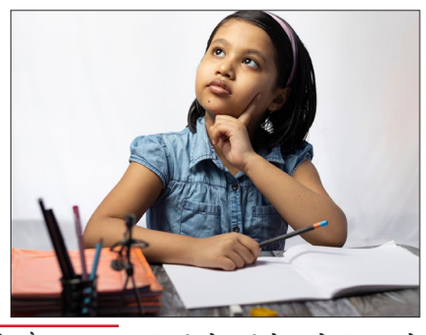

एक पेरेंट होने के तौर पर आप अपने बच्चे की हर गतिविधि को ऑब्जर्व करें। बच्चा अगर किसी कारण परेशान है और खुल कर अपनी परेशानी बताने में असक्षम है, तो उससे बातें करें और उसके मन की बात पूछें। उसकी समस्या का निवारण करें जिससे वो खुल कर अपनी बात रखना सीखे और किसी परेशानी से उसके विकास में रुकावट हो रही हो तो उसे सुलझाना सीखें।

तुलना न करें

साथी दोस्तों के सफल हो कर आगे बढ़ने पर बच्चे को गिल्ट में न आने दें। उनकी तुलना न करें और न ही उन्हें असफल होने पर बातें सुनाएं। इससे बच्चे में हीनभावना जन्म लेती है और वो मेहनत करने की जगह और भी डिप्रेस हो जाता है, जिससे अंत में वो अपने साथी बच्चों से पीछे ही रह जाता है। इसलिए बच्चे को भावनाओं को समझें और असफल होने पर उन्हें प्रेरणा दायक तरीके से हैंडल करें, जिससे वे मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित हों।

रूटीन फिक्स करें

बच्चे को डिसीप्लिन में रखते हुए उनके पढ़ने का रूटीन तय करें। इससे जब बच्चे को नियमित रूप से रूटीन में पढ़ने की आदत होगी तो एग्जाम के समय तक वे लगभग कंठस्थ कर चुके होंगे। इससे साथियों की तुलना में वे अगर अव्वल नहीं तो बहुत पीछे भी नहीं रहेंगे।

तारीफ करें

बच्चे के छोटे से बड़े एफर्ट की तारीफ करें। दूसरों के सामने बच्चे की तारीफ करने से वे और भी उत्साहित हो कर डिसीप्लिन में रहने की कोशिश करेंगे। इससे उनके सफल होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

कंसल्ट करें

अगर आपको लगता है कि बच्चा अपने साथियों से अधिक कमजोर है तो उसके टीचर, हेल्थ केयर प्रोवाइडर से बात करें और बच्चे की कमियों को अच्छे से समझें। इससे आपको कमी के अनुसार बच्चे को डील करने में आसानी होगी।

आज का राशिफल

मेष : पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

वृषभ : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। विवेक का प्रयोग करें। आय बनी रहेगी।

मिथुन : घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

कर्क : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। आय में वृद्धि होगी।

सिंह : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मनपसंद भोजन की प्राप्ति संभव है। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा।

कन्या : बुरी सूचना मिल सकती है। मेहनत अधिक होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है।

तुला : सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक : उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। भ्रम की स्थिति बन सकती है। बुद्धि का प्रयोग करें।

धनु : किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें। वरिष्ठजनों की सलाह काम आएगी। नए मित्र बनेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। उपहार की प्राप्ति संभव है।

मकर : सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अनावश्यक जोखिम न लें। किसी के उकसावे में न आएं।

कुंभ : आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें। व्यापार लाभदायक रहेगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है।

मीन : मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें। चोट लग सकती है। थकान तथा कमजोरी महसूस होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

वाशिंग मशीन में गलती से भी न धोएं ये चीजें

क्वालिटी की उड़ जाएंगी धज्जियां और लग जाएगी चपत

तकनीक ने जहां जीवन को आसान बनाया है, वहीं इसके दुष्प्रभाव से भी कोई बच नहीं पाया है। सुबह से लेकर शाम तक हम तकनीक और मशीन से हम घिरे रहते हैं। हर काम को आसान करने के साथ मशीनों ने कपड़े धुलने का काम भी बेहद आसान किया है।

वाशिंग मशीन ने कपड़े धुलने के कठिन काम को मात्र बटन दबाने तक आसान कर दिया है। वाशिंग मशीन दो प्रकार की मार्केट में उपलब्ध है, सेमी ऑटोमैटिक और ऑटोमैटिक। दोनों ने ही कपड़े धुलने के दौरान होने वाले शारीरिक श्रम को कम किया है। जहां एक तरफ ये बहुत ही सुविधाजनक मशीन है, वहीं इसके मिसयू ने लोगों को इसके सही इस्तेमाल से भटका दिया है।

वाशिंग मशीन के नुकसान

वाशिंग मशीन मात्र रोजमर्रा के कपड़े धुलने की मशीन है। इसमें बिना सोचे समझे कुछ भी डाल कर धुलने से मशीन खराब हो सकती

है। इसलिए वाशिंग मशीन में कपड़े धुलने से पहले ये जानना जरूरी है कि किन चीजों को मशीन में न डालें। आइए जानते हैं कि किन चीजों को वाशिंग मशीन में डालने से बचना चाहिए –

सेंसिटिव कपड़े

सिल्क, शिफॉन, नग, गोटे, लेस जैसे सेंसिटिव, आसानी से टूटने वाले या कमजोर फैब्रिक के कपड़े वाशिंग मशीन में जाने पर ये खराब हो सकते हैं। इसलिए उन्हें वाशिंग मशीन में डालने से बचें। इन्हें हाथ से धुलें या फिर ड्राई वॉश करवाएं।

लेदर के कपड़े

लेदर जैकेट या बेल्ट को वाशिंग मशीन में कतई न धुलें। ये क्रैक हो कर फट सकते हैं। इन्हें साबुन लगे कपड़े से स्पॉट क्लीन करें और पोंछ कर साफ करें।

जूते

ज्यादातर लोग अपने स्पोर्ट्स शूज वाशिंग मशीन में डाल देते हैं। ये जूते कैनवास, नायलॉन, पॉलीएस्टर या कॉटन के बने हुए होते हैं। इन्हें मशीन में डालने से इनकी उम्र कम होती है।

पेट हेयर लगे कपड़े

घर में पेट्स हों, तो उनके बाल लगभग हर कपड़े में लगे हुए होते हैं, फिर वो चाहे डेली वियर हो, बेडशीट हो या फिर कोई फेस्टिव वियर कपड़े हों। वाशिंग मशीन में पेट्स के बाल लगे कपड़े जा जाते हैं, तो बाल कपड़ों से और भी चिपक जाते हैं और कितने भी वॉश पर पूरी तरह से नहीं निकल पाते हैं। इसलिए ऐसे कपड़ों को वाशिंग मशीन में डालने से पहले ब्रश से झाड़ कर तभी डालें।

सेहतमंद रहने के लिए उचित मात्रा में पानी पीना बेहद जरूरी है. दरअसल, इंसान के शरीर में 70 फीसदी पानी होता है. इसकी कमी होने होने से शरीर में कई परेशानियां हो सकती हैं.

गर्मी में कम पानी पीने के नुकसान

- ईटिंगवेल की रिपोर्ट के मुताबिक, शरीर में पानी की कभी से डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ सकती है. इसके अलावा, पेट खराब, अपाचन या पेट दर्द की समस्या भी हो सकती है. दरअसल, पानी की कमी के कारण टॉक्सिंस शरीर से बाहर नहीं निकल पाते और बीमारियां शरीर के अंदर ही पनपने लगती हैं.
- पानी आपके दिमाग को सतर्क और शरीर को संतुलित रखने में मदद करता है. ऐसे में यदि शरीर में पानी की कमी होगी तो थकान बढ़ सकती है. इसके अलावा, पानी की कमी से सिरदर्द, उलझन, तनाव जैसी कई और समस्याएं होने का भी जोखिम बढ़ सकता है.
- शरीर में पानी की कमी से खून जमने लगता है, जिससे रक्त संचार सही से नहीं हो पाता है. ऐसी स्थिति में दिल से जुड़ी परेशानियां होने का जोखिम बढ़ता है. वहीं, अगर सही मात्रा में पानी पीएंगे तो शरीर के खराब पदार्थ पसीने और यूरीन से बाहर निकल जाएंगे.
- पानी पेट भरने का काम करता है. ऐसे में भोजन और नाश्ते के बीच पानी पीने से ओवरईटिंग से बचाव हो सकता है. जिससे शरीर का वजन घटाने में मदद मिल सकती है. वहीं, यदि कम मात्रा में पानी पीएंगे तो चेहरे में झुर्रियां, दाग, मुंहासे, बेचान और रूखी त्वचा जैसी समस्याएं हो सकती हैं.
- पानी का अधिक सेवन करने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है. लेकिन कम पानी का सेवन करने से जोड़ों में दर्द की समस्या हो सकती है. क्योंकि पानी की कमी से जोड़ों की चिकनाहट खत्म हो जाती है जिसके कारण दर्द बढ़ सकता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

सौतन से चिढ़ी पहली बीवी ने रचा खूनी खेल, पति और बेटी संग मिलकर की हत्या

बस्ती. बस्ती से एक सनसनीखेज मामला आया है। जहां एक महिला ने सौतन से तंग आकर उसकी हत्या की साजिश रच डाली। फिर पति और बेटी के साथ मिलकर सौतन का गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने छानबीन के बाद तीनों को गिरफ्तार कर लिया। ये मामला कोतवाली क्षेत्र के मिश्रौलिया सरायघाट का है। रामबली कन्नौजिया निवासी भुवर निरंजनपुर थाना कोतवाली ने सूचना दी कि उनकी बहन सुनीता अपने पति की मौत के बाद नोहर चौधरी के साथ रहने लगी। सम्भवतः बहन व नोहर चौधरी ने मंदिर में शादी कर लिया था। बहन सुनीता नोहर चौधरी के घर बराबर आती जाती थी। गुरुवार की रात सुनीता नोहर के घर गयी थी। नोहर चौधरी व उसकी पहली पत्नी विद्यावती और उसकी बेटी ने दुपट्टे से गला कसकर सुनीता की हत्या कर दी। युवक के आरोप पर पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया। उधर, कोतवाल राणा देवेन्द्र प्रताप सिंह, चौकी प्रभारी गांधीनगर और एसआई की टीम ने तीनों को राजा चक मोड़ से गिरफ्तार कर लिया।

लखनऊ में अधिवक्ता ने की महिला से छेड़छाड़, फाड़े कपड़े, कार से रौंदने का भी प्रयास

लखनऊ. राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर में रात को देवर और बेटी के साथ कार से महिला 1090 चौराहे गई थी। घूमने के दौरान ही चौराहे पर नशे में धुत कुछ युवक आकर गाली गलौज करने लगे। मना करने पर मारपीट करते हुए आरोपित ने महिला के कपड़े फाड़ दिए। फिर कार से रौंदने का प्रयास किया। पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपित अधिवक्ता अभिषेक और उसके दोस्त अश्वनी ने को गिरफ्तार किया है। मामले में जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि विवाद गाड़ी टकराने के बाद हुआ। फिरहाल जांच पूरी होने पर मामला साफ होगा।

जंगल में मिला युवक का शव, घर से बुलाकर ले गए फिर गला घोंटकर हत्या, आरोपी फरार

बरेली. बरेली में कैंट क्षेत्र निवासी युवक की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। उसका शव गांव से कुछ दूरी पर जंगल में पड़ा मिला। परिवार वालों का आरोप है कि दो लोग उसे घर से बुलाकर ले गए थे। उन्होंने ही उसकी हत्या की है। इस मामले में थाना कैंट में तहरीर दी गई है। कैंट इंस्पेक्टर राजेश यादव ने बताया कि मोहनपुर में दर्जियों वाली गली में रहने वाला 27 वर्षीय अब्दुल कादिर पेंट का काम करता था और नशे का आदी था। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे वह फरीदपुर में पेंट करने की बात कहकर घर से गया था और फिर रात को घर नहीं लौटा।

शिक्षा निदेशालय में लगी आग

प्रयागराज. प्रयागराज स्थित उत्तर प्रदेश के शिक्षा निदेशालय में आग लग गई। इस आग में 3 कमरों में रखी कई फाइलें जलकर राख हो गई हैं। निदेशालय के तीन कमरों में आग लगी। आग की सूचना पर प्रयागराज में हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पहुंचकर करीब डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने के कारण का अब तक पता नहीं चल पाया है। आग पूरी तरह बुझा ली गई है। अब इससे हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा।

पहलगाम में आतंकियों ने दिखा दी कायरता, न्याय मिलकर रहेगा

- मन की बात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दुनियाभर के लोगों ने संवेदना व्यक्त की है। मेरा मन बहुत दुखी है, हर भारतीय गुस्से से उबल रहा है। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने पहलगाम में कुंठित कायरता दिखाई है। दुश्मनों को देश का विकास रास नहीं आ रहा है। आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा और उनपर बेहद कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि आतंक के खिलाफ पूरी दुनिया भारत के साथ है और पहलगाम के पीड़ितों को न्याय मिलेगा।

मासिक रेडियो कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र किया और कहा कि देश के हर एक नागरिको को पर्यावरण की ओर ध्यान देना चाहिए और कम से कम अपनी मां के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि अहमदाबाद में ही कम से कम 70 लाख पेड़ लगाए गए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आतंक के सरपरस्तों की हताशा साफ दिख रही है। उनकी कायरता नजर आ रही है। जब कश्मीर में शांति लौट रही है और स्कूल कॉलेजों के निर्माण में एक तेजी है। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो रही है तो दुश्मनों को यह सब रास नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा का आतंक के आका यही चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो और इसीलिए इतनी साजिशें की जा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इस चुनौती का सामना संकल्पों को मजबूत करके करना है। मैं पीड़ित परिवारों को भरोसा देता हूं कि न्याय मिलकर रहेगा। हमले के दोषियों को कठोरतम सजा दी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व ISRO चीफ और वैज्ञानिक के कस्तूरीरंगन को भी श्रद्धांजलि दी। शुक्रवार को उनका निधन हो गया था। उन्होंने कहा कि कस्तूरीरंगन पूरी जिंदगी देश की निस्वार्थ सेवा करते रहे। देश के निर्माण के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा।

पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा खत्म

मेडिकल वीजा वालों को 29 तक मोहलत

- अब तक 294 पाकिस्तानी और 727 भारतीय लौटे

नई दिल्ली. भारत में वीजा लेकर आए पाकिस्तानी नागरिकों के लिए आज (27 अप्रैल 2025) देश छोड़ने की अंतिम तिथि है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में जारी निर्देशों के अनुसार, जिन पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा समाप्त हो चुका है या जिनका लॉन्ग टर्म वीजा (LTV) अब तक स्वीकृत नहीं हुआ है, उन्हें तुरंत भारत छोड़कर वापस पाकिस्तान लौटने का आदेश दिया गया था।

जबकि, मेडिकल वीजा पर भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस लौटने के लिए 29 अप्रैल तक का समय दिया गया है। इसी के चलते आज भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के अटारी-वाघा गेट पर पाक नगारिक पहुंच रहे हैं। कई परिवार अपने सामान के साथ लाइन में लगे नजर आए। इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और छोटे बच्चे भी शामिल हैं। कई लोग भावुक होकर अपने भारतीय रिश्तेदारों से विदा ले रहे हैं।

सरकारी आदेश के अनुसार चल रही कार्रवाई

गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, पाकिस्तान के वे नागरिक जो भारत में वीजा शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं या जिनके वीजा बढ़ाने की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें तत्काल देश छोड़ना होगा। पुलिस और इमिग्रेशन विभाग के अधिकारियों ने इन निर्देशों को सख्ती से लागू करने की तैयारी कर ली है।

बॉर्डर पर भावनात्मक दृश्य

बीते दिन, शनिवार, कई पाकिस्तानी नागरिकों ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भारत में उनके रिश्तेदार, दोस्त और जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। दिल नहीं वापस लौटा जाए, लेकिन मजबूरी है। पंजाब पुलिस के प्रोटोकॉल ऑफिसर अरुण कुमार के अनुसार बीते कल, शनिवार, को 75 के करीब पाकिस्तानी नागरिक वापस रवाना हुए। जबकि अभी तक 294 के करीब पाकिस्तानी नागरिक वापस जा चुके हैं और 727 के करीब भारतीय नागरिक भी वापस लौट चुके हैं।

सपा सांसद रामजी लाल सुमन के काफिले पर करणी सेना का हमला

अलीगढ़. राणा सांगा को लेकर बयान के बाद से करणी सेना के निशाने पर आए समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन पर अलीगढ़ में रविवार को हमला कर दिया गया। करणी सेना के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने रामजी लाल सुमन के काफिले पर गोभाना टोल प्लाजा के पास हमला किया है। उनके काफिले में शामिल गाड़ियों पर टायर और पत्थर फेंके गए। इससे कई गाड़ियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जब तक राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान पर राम जी लाल सुमन माफी नहीं मांगते हैं, इसी तरह से हमले जारी रहेंगे।

पाकिस्तानी मंत्री बोले- भारत 130 परमाणु मिसाइलों के निशाने पर

ये सजावट के लिए नहीं रखीं; सिंधु का पानी रोका तो युद्ध के लिए तैयार रहें

इस्लामाबाद. पाकिस्तानी रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने भारत पर परमाणु बम हमले की धमकी दी। उन्होंने कहा, हमने शाहीन, गोरी और गजनवी जैसी 130 मिसाइल भारत के लिए रखी हैं।

अगर भारत सिंधु जल संधि को रोकता है, तो हम उसकी सांसें रोक देंगे। भारत को युद्ध के लिए तैयार रहना होगा। पाकिस्तान के परमाणु हथियार सजाने के लिए नहीं रखे हैं, बल्कि हमने देशभर में परमाणु हथियार कई ठिकानों पर छिपा रखे हैं। अब्बासी ने कहा कि हमारी मिसाइलों का निशाना भारत की तरफ है। ये बात भारत भी जानता है कि हमारे पास हथियार हैं, इसलिए वो हम पर हमला नहीं कर रहा है।

अब्बासी बोले- भारत अपनी कमियों का इल्जाम हम पर लगा रहा

अब्बासी ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा में खामियों को मानने के बजाय पहलगाम हमले का इल्जाम पाकिस्तान पर लगा रहा है। इस्लामाबाद अपने खिलाफ उठाए गए किसी भी आर्थिक कदम के फैसले से मुकाबला करने के लिए तैयार है।

हनीफ अब्बासी ने भारत की तरफ से पाकिस्तान के लिए पानी की सप्लाई रोकने और ट्रेड संबंधों को खत्म करने का मजाक उड़ाया।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपना एयरस्पेस भारत के लिए बंद कर दिया है। इससे दो ही दिन में भारत की एविएशन इंडस्ट्री परेशान हो गई। भारत को अपनी गलती का एहसास हो गया है। अगर 10 दिन हमने एयरस्पेस बंद रखा तो भारत की एयरलाइंस दिवालिया हो जाएंगीं।

PoK का भारत में हो विलय

- रेवंत रेड्डी की PM मोदी से अपील

हैदराबाद. कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक गुस्से में हैं। देश के नागरिक भी अपने-अपने तरीके से गुस्से का इजहार कर रहे हैं। राजनेताओं के बयान सामने आ रहे हैं। इस बीच तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित करने और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत में विलय करने का आग्रह किया है। आपको बता दें कि अभी तक ऐसी मांगें सिर्फ सत्ता पक्ष की तरफ से हुआ करती थी, लेकिन पाकिस्तान को लेकर इतना गुस्सा है कि विपक्ष भी सुर में सुर मिलाने लगा है।

रेवंत रेड्डी ने कहा, 'हम आपसे आगे बढ़ने का आग्रह करते हैं। हम 140 करोड़ भारतीय आपके साथ खड़े रहेंगे। पाकिस्तान को दो भागों में विभाजित करें और पीओके को भारत में विलय करें। हम सभी आपके साथ हैं। यह राजनीति करने का समय नहीं है।' उन्होंने आतंकी हमलों के विरोध में हैदराबाद में एक कैंडललाइट मार्च में अपने भाषण के दौरान कहा। उन्होंने कहा, 'ऐसे समय में, जब आतंकवादियों ने हमारे साथी नागरिकों पर हमला किया है, देश के सभी 140 करोड़ लोगों ने इस हमले को दिल से लिया है। अब इसका कड़ा जवाब देने का समय है।' उन्होंने आगे कहा, "तेलंगाना से 4 करोड़ लोग और दुनिया के कम से कम 100 देशों के प्रतिनिधि एक साथ खड़े हैं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ रहे हैं। हम इस लड़ाई में अपने प्रधानमंत्री का समर्थन करेंगे।'

रेवंत रेड्डी ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी, 1967 में जब चीन ने हमला किया था तो इंदिरा जी ने मजबूती से जवाब दिया था। फिर 1971 में जब पाकिस्तान ने हमला किया तो इंदिरा जी ने मुंहतोड़ जवाब दिया और पाकिस्तान को दो हिस्सों में बांटकर बांग्लादेश बनाया। अब पाकिस्तान को उसकी हरकतों के लिए जवाब देने का समय आ गया है। हमें निर्णायक कदम उठाने चाहिए। बातचीत का समय खत्म हो गया है। अब मुंहतोड़ जवाब देने का समय आ गया है।'

पहलगाम अटैक पर विवादित पोस्ट, 7 राज्यों में 28 गिरफ्तार

इनमें 1-1 विधायक, पत्रकार, वकील और 23 स्टूडेंट शामिल; देश विरोधी टिप्पणी की थी

नई दिल्ली. पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने पर 7 राज्यों से 28 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन सभी गिरफ्तारियों में असम के विपक्षी पार्टी AIUDF के विधायक, एक पत्रकार, एक वकील, 2 रिटायर्ड टीचर और 23 स्टूडेंट शामिल है। सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, मेघालय और त्रिपुरा में गिरफ्तारियां हुई हैं। सबसे अधिक 16 गिरफ्तारी असम से की गई है।

विधायक की विवादित टिप्पणी, राजद्रोह का केस दर्ज

पहलगाम हमले पर सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने को लेकर पहली गिरफ्तारी 24 अप्रैल को असम के एक विधायक की हुई। गिरफ्तार विधायक अमीनुल इस्लाम असम की विपक्षी पार्टी AIUDF से हैं। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले और 22 अप्रैल के पहलगाम हमले को 'सरकार की साजिश' बताया था। उन पर राजद्रोह का केस दर्ज हुआ और 25 अप्रैल को उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।

वीडियो शेयर करने पर MP में चौथी गिरफ्तारी

मध्यप्रदेश के भोपाल में 25 अप्रैल को एक कॉलेज के गेस्ट लेक्चरर नसीम बानो ने वॉट्सएप पर पहलगाम हमले को लेकर विवादित वीडियो शेयर किया। इस पर पुलिस ने लेक्चरर को हिरासत में लिया। छात्र संगठन ABVP ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि लेक्चरर ने दावा किया कि वह वीडियो उसने नहीं बनाया था। गलती से वीडियो वॉट्सएप स्टेटस पर लग गया था। इससे पहले राज्य में ऐसे मामलों में 3 गिरफ्तारी हो चुकी है।

4 दिन से पाकिस्तानी सेना की गिरफ्त में BSF जवान

फिरोजपुर. पंजाब के फिरोजपुर में 23 अप्रैल को गलती से बॉर्डर क्रॉस करने पर पाकिस्तानी सेना ने BSF जवान को गिरफ्तार कर लिया था। इस गिरफ्तारी को अब 80 घंटे से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन BSF जवान की रिहाई नहीं हो सकी है। दरअसल 23 अप्रैल की दोपहर में BSF की 182वीं बटालियन के कॉन्स्टेबल पीके सिंह किसानों के साथ ड्यूटी पर थे। बताया गया कि ड्यूटी के दौरान वे छांव में आराम के लिए आगे बढ़े, जिस कारण गलती से पाकिस्तानी सीमा में घुस गए। इस दौरान पाकिस्तान रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया।

जवान की वापसी के लिए BSF ने तुरंत प्रयास शुरू कर दिए थे। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच अब तक तीन फ्लैग मीटिंग हो चुकी हैं। लेकिन जवान को अभी तक रिहा नहीं किया गया है। पाकिस्तान ने फिलहाल यह कहकर जवान को लौटाने से मना कर दिया है कि उनके पास गिरफ्तार जवान की लोकेशन की कोई जानकारी नहीं है।

गुजरात में 1 हजार से ज्यादा बांग्लादेशी हिरासत में

- शुरू हुआ 'ऑपरेश क्लीन सिटी'
- पुलिस ने रात में ही घेरे 5 इलाके

सूरत. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्य सरकारों को विदेशी नागरिकों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने का निर्देश दिया था। इसके बाद गुजरात सरकार ने पुलिस क्राइम ब्रांच को राज्य के बड़े शहरों और गांवों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को तुरंत हिरासत में लेने को कहा।

गृहमंत्री के निर्देश के बाद गुजरात पुलिस का ऑपरेशन शनिवार रात 12 बजे शुरू हुआ, जो अब तक जारी है। शनिवार रात 12 से सुबह 6 बजे तक अहमदाबाद में 890 और सूरत से 134 लोगों को हिरासत में लिया गया था। सभी के दस्तावेजों की जांच चल रही है। कुछ लोगों के पास से नकली भारतीय आधार कार्ड भी मिले हैं।

पुलिस ने सभी के फोन भी जब्त कर लिए हैं। अभी पूछताछ और डॉक्यूमेंट की जांच की जा रही है। गुजरात पुलिस के इस ताबड़तोड़ ऑपरेशन की पूरे देश में चर्चा हो रही है। तो आइए जानते हैं कि अहमदाबाद और सूरत में किस तरह 'ऑपरेशन क्लीन सिटी' को अंजाम दिया।

गृहमंत्री अमित शाह के निर्देश के बाद गुजरात पुलिस प्रमुख विकास सहाय के साथ गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के सूरत स्थित आवास पर शनिवार दोपहर को एक सीक्रेट मीटिंग हुई थी। इस बैठक में अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल और सूरत पुलिस कमिश्नर सहित उच्च अधिकारी मौजूद थे।

प्रभसिमरन सिंह ने IPL में रचा इतिहास

पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया है और दोनों टीमों को एक-एक अंक मिल गया। मैच में पंजाब किंग्स के लिए युवा बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच में 49 गेंद खेलते हुए कुल 83 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। उनकी वजह से ही टीम 200 रनों के स्कोर को पार कर पाई।

एक ही टीम से खेलते हुए पूरे किए 1000 रन

मैच में दमदार अर्धशतक जड़ते ही 24 साल के प्रभसिमरन सिंह ने आईपीएल में अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं। वह पहले ऐसे अनकैप्ड भारतीय प्लेयर बन गए हैं, जिन्होंने आईपीएल में एक ही टीम से खेलते हुए 1000 रन पूरे कर लिए हैं। वहीं वह आईपीएल में 1000 रन पूरे करने वाले कुल तीसरे अनकैप्ड भारतीय प्लेयर बने हैं। उनसे पहले मनन वोहरा और राहुल तेवतिया ऐसा कर चुके हैं। लेकिन मनन और तेवतिया ने आईपीएल में चार-चार टीमों से क्रिकेट खेला है। (अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी वह है, जिसने अभी तक भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला हो)

प्रभसिमरन सिंह साल 2019 से ही आईपीएल में हिस्सा ले रहे हैं और उन्होंने अब तक सारे सीजन पंजाब किंग्स की तरफ से ही खेले हैं। उन्होंने कुल 43 मुकाबले खेलते हुए 1048 रन बनाए हैं और इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और पांच अर्धशतक निकले हैं। पिछले कुछ सालों से वह पंजाब के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और अपने खेल से सभी को प्रभावित करने में सफल रहे हैं।

घरेलू क्रिकेट में दिखा चुके दम

प्रभसिमरन सिंह घरेलू क्रिकेट में पंजाब की तरफ से खेलते हैं। उन्होंने 24 फर्स्ट क्लास मैचों में कुल 1433 रन बनाए हैं, जिसमें उन्होंने पांच शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। वहीं 43 लिस्ट-ए मैचों में उन्होंने 1538 रन जड़े हैं।

पति को गोली मारने वाले आतंकी को पत्नी ने पहचाना

- सूरत की शीतलबेन बोलीं- करीब आकर गोली मारी, फिर दो-तीन मिनट तक देखता रहा

सूरत. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। इसमें सूरत के शैलेश कलथिया भी शामिल थे। शैलेश परिवार के साथ छुट्टी मनाने पहलगाम पहुंचे थे।

हमले में शैलेश की पत्नी और बेटा-बेटी बच गए। आतंकियों की तस्वीर सामने आने के बाद शीतलबेन ने उस आतंकी को पहचान लिया, जिसने उनकी और बच्चों के आंखों के सामने पति को गोली मारी थी।

जिन चार आतंकवादियों की तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें से दाईं ओर से दूसरे आतंकी ने ही शैलेष के सीने में गोली मारी थी। इन आतंकियों के खिलाफ 20-20 लाख रुपए का इनाम रखा गया है।

शीतलबेन ने बताया- जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तब यही आतंकी दौड़कर उनके सामने आकर खड़ा हो गया था। इसके बाद उसने दो-तीन फीट की दूरी से शैलेष के सीने में गोली मार दी थी।

शीतलबेन ने बताया कि तस्वीर में नीले रंग का कपड़े पहना आतंकी उस समय हरे रंग का कुर्ता-पायजामा और कोट पहने था। सिर पर टोपी भी थी। उस दौरान उसने कंधे पर एक कैमरा भी टांग रखा था।

गोली मारने के बाद दो-तीन मिनट तक देखता रहा

शीतलबेन ने बताया कि मैंने दोनों बच्चों को अपने पीछे छिपा लिया था। इसी दौरान आतंकी ने मेरे पति के सीने में गोलियां दाग दीं। गोली लगते ही शैलेष मेरी गोद में गिर पड़े।

इस दौरान गोली मारने वाला आतंकी दो-तीन मिनट तक शैलेष को देखता रहा। वह मुस्कुराते हुए यह देख रहा था कि मौत हुई या नहीं। बच्चों ने भी क्रूरता के ये सारे दृश्य देखे। वे सहमकर मुझसे लिपटे हुए थे।

गैंगरेप के बाद बीए की छात्रा की गला घोंटकर हत्या

प्रतापगढ़. प्रतापगढ़ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक होटल में बीए की छात्रा से गैंगरेप के बाद उसके ही दुपट्टे से गला कसकर हत्या कर दी गई। कमरे में साथ मौजूद एक प्रेमी दोपहर बाद ताला बंद कर भाग निकला। रात साढ़े 9 बजे वेटर ने दूसरी चाबी से कमरा खोला तो बेड पर छात्रा का शव पड़ा था।

भंगवा चुंगी चौराहे के पास स्थित एक होटल में शुक्रवार सुबह कोहंडौर क्षेत्र के एक गांव की बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा देल्हूपुर गजेहड़ा पहाड़पुर के अभिषेक के साथ पहुंची। दोपहर बाद दो बजे अभिषेक कमरे में बाहर से ताला बंद कर चला गया। रात करीब साढ़े 9 बजे होटल के वेटर ने दूसरी चाबी से कमरा खोला तो छात्रा का शव बेड पर पड़ा था।

कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से अगस्त तक चलेगी

- आवेदन शुरू, 750 भारतीय जा सकेंगे
- चीन 2020 से यात्रा की इजाजत नहीं दे रहा था

नई दिल्ली. कैलाश मानसरोवर यात्रा 30 जून से 25 अगस्त के बीच होगी। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को आवेदन प्रक्रिया के लिए वेबसाइट खोल दी है। तीर्थयात्री http://kmy.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। 13 मई, 2025 आवेदन करने की अंतिम तारीख है।

इस साल उत्तराखंड और सिक्किम के रास्ते यात्रियों का 15 जत्था कैलाश मानसरोवर जाएगा। 5 जत्थे में 50-50 यात्री उत्तराखंड से लिपुलेख दर्रे को पार करते हुए मानसरोवर जाएंगे। वहीं, 10 जत्थे में 50-50 यात्रियों का ग्रुप सिक्किम से नाथूला होते हुए यात्रा करेगा। कैलाश मानसरोवर चीन के कब्जे वाले तिब्बत में है। विदेश मंत्रालय हर साल यात्रा का आयोजन करता है। हालांकि, पिछले पांच सालों से चीन कैलाश मानसरोवर की यात्रा के लिए भारतीयों को इजाजत नहीं दे रहा था। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और कोविड की लहर इसकी वजह थी।

अब 5 साल बाद फिर यात्रा शुरू होने वाली है। इसे भारत और चीन के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। दोनों देशों ने पिछले साल अक्टूबर में हुए समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग से अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया था।

भारत-चीन में समझौते की नींव कजान में पड़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग पिछले साल अक्टूबर में 5 साल बाद रूस के कजान शहर में मिले थे। तब दोनों देशों ने आपसी संबंधों की स्थिति पर चर्चा की और संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कुछ कदम उठाने पर सहमति जताई थी। इसके बाद से पिछले 3 महीने में चीन-भारत सीमा के विवादित इलाके डेमचोक और देपसांग से दोनों देशों की सेनाओं के पीछे हटने के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा और फ्लाइट सर्विस 5 साल बाद शुरू करने के फैसले हुए हैं।

संक्षेप...

बार पर छापा, बार बालाएं पकड़ी गयी

ठाणे. ठाणे पुलिस की क्राइम ब्रांच के अधिकारियों ने भिवंडी बाईपास स्थित राजनोली गांव में लैला आक्रेस्ट्रा बार एवं रेस्टोरेंट में छापा मारकर ग्राहकों के साथ अश्लील हरकत कर रही बार बालाओं को गिरफ्तार किया है. पुलिस न इस मामले में बारबाला, व्यवस्थापक सहित 15 के खिलाफ मामला दर्ज किया है. कल्याण क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली थी कि कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत राजनोली गांव में लैला आक्रेस्ट्रा बार एवं रेस्टोरेंट देर रात तक खुला रहता है.जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापे की कार्रवाई की. पुलिस ने देखा कि ग्राउंड फ्लोर पर कुछ बार बालाएं बहुत कम कपड़ों में ग्राहकों के पास बैठीं थी.

भिवंडी में 18 अनधिकृत स्कूल

- महानगर पालिका ने जारी की सूची
- बिना मान्यता चल रहीं स्कूलों पर मनपा प्रशासन सख्त.

भिवंडी. भिवंडी- निजामपुर शहर महानगरपालिका ने मनपा हद में शिक्षा विभाग की बगैर मंजूरी चलाए जाने वाले 18 अवैध प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं की सूची सार्वजनिक कर अभिभावकों से अपील की है कि अपने बच्चों का प्रवेश इन स्कूलों में न कराएं, अन्यथा बच्चों का शैक्षणिक नुकसान हो सकता है. संबंधित स्कूल संचालकों को नोटिस भेजी जा चुकी है और शीघ्र ही उनके विरुद्ध फौजदारी मामले भी दर्ज कराए जाएंगे.

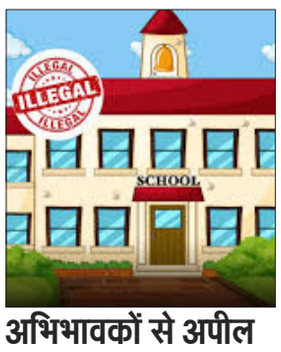

अभिभावकों से अपील

महानगरपालिका शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे अपने बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए केवल सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही प्रवेश दिलाएं और शिक्षा विभाग के निर्देशों का पालन करें जिससे बच्चों का शैक्षणिक नुकसान से बचाव हो सके.

अवैध स्कूलों की सूची इस प्रकार है...

1. रॉयल इंग्लिश स्कूल, पटेल कंपाउंड, धामणकर नाका..
2. नोबेल इंग्लिश स्कूल, अवचितपाड़ा..
3. अलरजा उर्दू प्राथमिक स्कूल, गैबी नगर..
4. मराठी प्राथमिक स्कूल, पाईपलाइन, टेमघर..
5. इंग्लिश प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल, टेमघर..
6. द लर्निंग प्राथमिक स्कूल, टेमघर पाड़ा..
7. एकता इंग्लिश पब्लिक स्कूल, फातमा नगर, नागांव..
8. एकता उर्दू पब्लिक स्कूल, फातमा नगर, नागांव..
9. ए.आर. रहमान उर्दू प्राथमिक स्कूल, फातमा नगर, नागांव..
10. जवेरिया उर्दू प्राथमिक स्कूल, गैबीनगर..
11. विवेकानंद इंग्लिश माध्यमिक स्कूल, नवी वस्ती..
12. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, रावजीनगर.
13. अलहिदाया पब्लिक प्राथमिक स्कूल, पटेल नगर, बाला कंपाउंड.
14. तहजीब इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, जैतनपुरा.
15. इकरा इस्लामिक मकतब स्कूल, नदी नाका.
16. कैसर बेगम इंग्लिश स्कूल, नागांव, सहारा होटल के पास.
17. फरहान इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, दीवान शाह दरगाह रोड.
18. गीतांजली माध्यमिक स्कूल, गायत्री नगर, भालेदवी..

केले के पत्ते को लेकर विवाद, एक की हत्या

- बचाव करने आयी पत्नी व बेटा भी घायल

कल्याण. कल्याण शहर स्थित फूल मार्किट में केले के पत्ते की बिक्री को लेकर रविवार को सुबह हुए विबाद में एक व्यक्ति की मौत हो गयी.बचाव करने आये उसका बेटा एवं पत्नी भी घायल हो गयी.इस मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर रही है. आरोपी से पूछ –ताछ कर पुलिस मामले की जांच कर रही है.

कल्याण कृषि उत्पन्न बाजार समिति के फूल बाजार में केले के पत्ते के गट्ठे को बेचने को लेकर व्यवसायी चमनलाल नंदलाल कारला (55) एवं चिराग सोनी (21) के बीच विवाद हुआ. झगड़े के बीच गुस्से में चिराग सोनी ने धारदार कैंची से कारला पर हमला कर दिया. बचाव के लिए कारला की पत्नी एवं बेटा आगे आये . लेकिन हमलावर ने कारला की पत्नी को भी घायल कर दिया. घायलों को तुरंत अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां डॉक्टरों ने चमनलाल को मृत घोषित कर दिया. अल सुबह भारी भीड़ भाड़ के बीच हत्या की घटना से फूल एवं फल मार्किट में सनसनी फ़ैल गयी. वरिष्ठ अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गए. बाजार पेठ पुलिस ने घटना के कुछ ही देर बाद आरोपी को दबोच लिया.

महाराष्ट्र स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में

राकांपा आज से शुरू करेगी विशेष अभियान

मुंबई. राकांपा सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि महाराष्ट्र स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में राकांपा 28 अप्रैल से एक विशेष अभियान शुरू करेगी। महाराष्ट्र स्थापना दिवस 1 मई को मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि 'गडकिले माटी आणि नद्यांचे जलकुंभ यात्रा' के तहत मराठवाड़ा क्षेत्र में उत्सव के जुलूसों में किलों की मिट्टी और नदियों का पानी ले जाया जाएगा।

उन्होंने कहा, यात्रा हिंगोली से शुरू होगी और औंधा नागनाथ, जीरो फाटा (परभणी), वासमत, नांदेड़, लोहा, कंधार सहित महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थानों से होकर गुजरेगी और जलकोट में रुकेगी। 29 अप्रैल को यात्रा उदगीर, लातूर, औसा, उमरगा और नालदुर्ग से होते हुए तुलजापुर पहुंचेगी। 30 अप्रैल को यह बदनापुर और छत्रपति संभाजीनगर से होते हुए मुंबई जाएगी।

इस बीच, उन्होंने शिवसेना के लोकसभा सांसद नरेश म्हास्के के इस बयान की आलोचना की कि पहलगाम हमले के बाद जिन पर्यटकों ने पहले कभी विमान में यात्रा नहीं की थी, उन्हें विमान से महाराष्ट्र वापस लाया जा रहा है। म्हास्के ने गुरुवार को कहा, ₹वर्धा और नागपुर से 45 लोग रेलवे के जरिए (जम्मू कश्मीर) गए थे। वे सीआरपीएफ कैंप में रह रहे थे। 45 लोग ऐसे हैं जिन्होंने पहले कभी विमान में यात्रा नहीं की थी। उन्हें वापस घर लाने के लिए एकनाथ शिंदे ने व्यवस्था की थी।₹

तटकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे जैसे नेता ऐसे संकटों के दौरान आगे आने के लिए जाने जाते हैं। तटकरे ने कहा, ₹ऐसे समय में राजनीतिक बयान देना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि अपमानजनक भी है।₹ अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी, शिंदे की शिवसेना और भाजपा सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा हैं।

20 मई तक सभी सड़कों की मरम्मत का निर्देश

- आयुक्त सौरभ राव ने विभिन्न प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण दौरा

ठाणे. मनपा आयुक्त सौरभ राव ने सभी अधिकारियों के साथ मनपा क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे सड़क दुरुस्ती कार्य का निरीक्षण किया। आयुक्त राव ने मनपा, लोक निर्माण विभाग, मेट्रो, एमएमआरडीए समेत सभी को घोड़बंदर रोड पर चल रहे काम को 20 मई तक पूरा कर सड़क को यातायात के लिए खोलने और जो काम मानसून से पहले पूरे नहीं हो पाएंगे, उन्हें मानसून सीजन के बाद शुरू करने का निर्देश दिया है।

टीएमटी बस में किया निरीक्षण दौरा

आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि घोड़बंदर रोड पर वर्तमान में बड़े पैमाने पर काम चल रहा है और आज का निरीक्षण दौरा परिवहन सेवा की बसों में किया गया, जिसमें सभी प्राधिकरणों के अधिकारी शामिल थे, ताकि निरीक्षण दौरे के दौरान अधिकारियों के वाहनों के कारण यातायात में कोई व्यवधान न हो।

मानसून की तैयारियों के मद्देनजर आज ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, कपूरबावड़ी जंक्शन, घोड़बंदर रोड, सेवा रोड और गायमुख घाट क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, मनपा अभियंता प्रशांत सोनागरा,ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट, मेट्रो अधीक्षक अभियंता अभिजीत दिसिकर सहित मनपा, सार्वजनिक निर्माण विभाग, एमएमआरडीए, मेट्रो, महावितरण और अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त सौरभ राव ने बताया कि मानसून की तैयारी के लिए घोड़बंदर रोड पर चल रहे कार्यों का हर चार सप्ताह में निरीक्षण किया जा रहा है।

ईस्टर्न एक्सप्रेसवे पर जुपिटर हॉस्पिटल के पास सर्विस रोड पर जलदाय विभाग द्वारा किए जा रहे सभी जल चैनलों के कार्य का निरीक्षण किया गया। साथ ही कपूरबावड़ी जंक्शन पर चल रहे मेट्रो कार्य, सिनेवांडर मॉल क्षेत्र में पेट्रोल पंप से नालपाड़ा जंक्शन तक चल रहे मेट्रो व जल चैनल कार्य का निरीक्षण किया।हर साल मानसून के मौसम में जिन क्षेत्रों में सड़कों पर गड्ढे होते हैं, उनका निरीक्षण किया जाएगा और मानसून से पहले आवश्यक उपाय किए जाएंगे। घोड़बंदर रोड पर एक साथ कई कार्य चल रहे हैं, इसलिए ये कार्य प्रगति पर हैं और जल्द ही पूरे हो जाएंगे। आयुक्त सौरभ राव ने नागरिकों से सहयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने, मार्शलों के निर्देशों को सुनने और विपरीत दिशा में वाहन न चलाने की अपील की। सभी अधिकारी यातायात की समस्या को हल करने के लिए प्रयास कर रहे हैं और नागरिकों को भी सहयोग करना चाहिए।

पोस्टर, झंडे, होर्डिंग, बैनर हटाए गए

प्रशासक अनमोल सागर के जनहित निर्णय से शहर हो रहा स्वच्छ-सुंदर

भिवंडी. भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगरपालिका प्रशासक, आयुक्त भिवंडी शहर को स्वच्छ, सुंदर करने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं. शहर की सुंदरता बिगाड़ने वाले अनधिकृत होर्डिंग, बैनर और पोस्टरों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है.

जानकारी के अनुसार, अतिक्रमण विभाग उपायुक्त विक्रम दराड़े के मार्गदर्शन में लगातार 3 दिनों तक अवैध बैनर, पोस्टर, होर्डिंग हटाए जाने की विशेष मुहिम चलाई गई. प्रभाग समिति क्रमांक 1 से 5 के अंतर्गत कुल 271 बैनर्स, 217 पोस्टर्स और 357 विभिन्न प्रकार के झंडे हटाकर जब्त किए गए. मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि आगे किसी ने शहर में बिना अनुमति कोई भी बैनर, पोस्टर या झंडा लगाया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. विशेष अभियान को सभी प्रभाग अधिकारियों एवं बिट निरीक्षकों ने मिलकर सफलतापूर्वक अंजाम दिया. मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर ने नागरिकों से अपील की है कि, शहर की स्वच्छता सबकी जिम्मेदारी है.शहर की स्वच्छता, सुंदरता बरकरार रखने में सहयोग करें.

ईडी कार्यालय की इमारत में भीषण आग

मुंबई. दक्षिण मुंबई में एक इमारत में भीषण आग लगने की खबर है। खास बात ये है कि इसी इमारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का कार्यालय है। बलार्ड एस्टेट क्षेत्र में स्थित ईडी कार्यालय की इमारत में रविवार तड़के भीषण आग लगने के बाद दमकल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं। मुंबई की एक बहुमंजिला इमारत में आग लगने के बाद हड़कंप मच गया। इस इमारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का कार्यालय भी है। अधिकारियों ने बताया कि दमकल विभाग को देर रात करीब 2:31 बजे आग लगने की सूचना मिली। जिस बहुमंजिला इमारत में आग लगी वह मुंबई के कर्रिभॉय रोड पर ग्रांड होटल के पास है। अधिकारियों ने बताया कि कैसर-ए-हिंद इमारत में आग लगने की सूचना के बाद दमकल की टीमें मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल विभाग के मुताबिक करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तड़के करीब 3:30 बजे तक आग पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। अग्निशमन कर्मियों के मुताबिक आग लेवल-2 की थी, जिसे आम तौर पर बड़ा हादसा माना जाता है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के एक अधिकारी ने बताया कि आग पांच मंजिला इमारत की चौथी मंजिल तक ही सीमित रही। आग बुझाने की कवायद में आठ दमकल गाड़ियां, छह जंबो टैंकर, एक एरियल वाटर टावर टेंडर समेत कई अन्य उपकरणों का भी इस्तेमाल किया गया। घटनास्थल पर एंबुलेंस को भी तैनात किया गया।

पहलगाम आतंकी हमले से अमरनाथ यात्रा में कमी आने की संभावना

सिविल अस्पताल में मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र हेतु आवेदन करने वालों में कमी

ठाणे. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले का अमरनाथ यात्रा पर बड़ा असर पड़ने की संभावना है, जिससे अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या में कमी आने का अनुमान है। तीर्थयात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र अनिवार्य है, और सिविल अस्पताल में प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए भीड़ लगी रहती है। जबकी शुक्रवार को केवल एक व्यक्ति ने फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया।

जुलाई में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए भक्तगण अभी से तैयारी कर रहे हैं।यात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र अनिवार्य है।लेकिन सिविल अस्पताल में प्रमाणीकरण चाहने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है। ठाणे सिविल अस्पताल ने 8 अप्रैल से अमरनाथ यात्रा के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। पहले दिन करीब 75 श्रद्धालुओं ने प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। हमले के बाद यह प्रमाण पत्र चाहने वालों की संख्या में कमी आई है। शुक्रवार को केवल एक व्यक्ति ने प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार ने मुंबई के सभी मनपा अस्पतालों, ठाणे जिले के सभी मनपा अस्पतालों, सिविल अस्पतालों और उपजिला अस्पतालों में मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था की है। ठाणे सिविल अस्पताल इस वर्ष अब तक मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए 305 आवेदन प्राप्त हुए हैं।इनमें 224 पुरुष और 81 महिलाएं शामिल हैं। पिछले वर्ष 1156 आवेदन प्राप्त हुए थे।

हर साल लाखों श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं। इस वर्ष लगभग पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद थी। हमले के बाद राज्य में भय और अनिश्चितता के माहौल के कारण कई श्रद्धालुओं ने अपनी यात्रा की योजना रद्द कर दी है। पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा झटका लग रहा है, होटल और ट्रैवल कम्पनियां बुकिंग के अचानक रद्द होने से परेशान हैं।

–डॉ. कैलाश पवार (जिला शल्य चिकित्सक सिविल अस्पताल)

पीड़ित परिवार से मिले राजन विचारे

कल्याण. शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के निर्देश पर शिवसेना नेता एवं पूर्व सांसद राजन विचारे ने पार्टी के वरिष्ठ पदाहिकारियों के साथ शनिवार को डोंबिवली में पहलगाम आतंकी हमले के पडित परिवार के लोगों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी. एवं सरकारी नौकरी उपलब्ध करने में सहायता करने का आश्वासन दिया. डोंबिवली के रहने वाले संजय लेले हेमंत जोशी और अतुल मोने पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए थे. उनका अंतिम संस्कार बुधवार की रात में ही कर दिया गया था.

आम सूचना

हम श्रीमती भारती रामचंद मोटवाणी व श्रीमती सपना रामकुमार माधवाणी सभी को सूचित कर रहे हैं कि गोडाऊन, 416 चौ.फुट, मट्टन मार्केट के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 14बीआय015618400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती हेतल दीपक पंजाबी व श्रीमती मोना घनश्याम जेठवाणी के नाम पर है। उनसे रिलीज एग्रीमेंट 22.4.2025 सी.नं. 974 द्वारा हमने प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 15 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती भारती रामचंद मोटवाणी
व श्रीमती सपना रामकुमार माधवाणी

आम सूचना

मैं श्री तुलसी लक्ष्मणदास तलरेजा सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 1028 के पास, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 36बीओ06559600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती प्रिशा विशाल साधवाणी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 19.4.2025 सी.नं. 938 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री तुलसी लक्ष्मणदास तलरेजा

आम सूचना

मैं श्री मनोज कुमार रामजियावन त्रिपाठी सभी को सूचित कर रहा हूं कि पोर्शन आफ रुम, बैरक नं. 27 के पास, भीमनगर, 362 चौ.फुट, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 07बीओ014648700) उक्त प्रॉपर्टी श्री मलेश तिम्मपा मेत्रे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 17.2.2025 सी.नं. 755/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनोज कुमार रामजियावन त्रिपाठी

आतंक को रोकना और कश्मीरी पंडितों के अधिकारों के लिए संघर्ष आवश्यक - ओमप्रकाश शर्मा

ठाणे. कश्मीरी पंडितों के अधिकारों के लिए ठाणे से आंदोलन का नेतृत्व करने वाले प्रमुख समाजसेवी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राष्ट्रीय परिषद के पूर्व सदस्य ओम प्रकाश शर्मा ने उस संघर्ष को याद करते हुए कहा कि न्याय के लिए आंदोलन 1952 में शुरू हुआ और आज भी जारी है। पहलगाम की आतंकी हमले में करीब 27 पर्यटकों की हुई हत्या की घटना बहुत ही शर्मनाक और निंदनीय है, इसका हम घोर निषेध करते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार और नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर में शांति के लिए उठाए गए कदमों से बहुत सुधार आया है इसके बावजूद पड़ोसी राष्ट्र पाकिस्तान आतंक की छिट पुट घटनाओं को अंजाम देने का घिनौना कार्य कने में लगा है। उसने अपनी आतंकी गतिविधियों को बंद नहीं किया तो उसे मुंह तोड़ जवाब देना पड़ेगा।

सत्याग्रह आंदोलन में अपनी भागीदारी के बारे में बताते हुए शर्मा ने विस्थापित कश्मीरी पंडितों के अधिकारों और सम्मान को सुरक्षित करने के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1952 में श्रीनगर में आंदोलन शुरू किया। कश्मीर का मुद्दा भारतीय जनसंघ के एजेंडे में

था। भाजपा की स्थापना के बाद उसने अपने पांच प्रमुख मुद्दों में कश्मीर को अपने एजेंडे में रखा। हमारा नारा था , जहां शहीद हुए श्यामा प्रसाद मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है। कश्मीरी पंडितों के पलायन के बाद पूरे देश में आंदोलन शुरु हुआ। महाराष्ट्र की ओर से 1987 में हुए डोंडा बचाओ आंदोलन का ठाणे जिले का नेतृत्व करने वाले शर्मा ने बताया कि हमें एयरपोर्ट गिरफ्तार का पाकिस्तान से 7 किमी दूरी पर बनी जेल में बंद कर दिया। तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष चमनलाल गुप्ता ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया तो 3 दिन बाद हमें पुलिस ने रिहा किया। चमनलाल गुप्ता ने कहा कि हम कश्मीरी खुद को अकेला समझ रहे थे आज आप सबके साथ आने हमें लगा कि हम हिंदुस्तान में ही हैं। पलायन कर रहे कश्मीरी पंडितों के लिए आरएसएस ने व्यवस्था किया था जहां से वे अपने करीबियों के जा रहे थे जिसमें अधिक संख्या दिल्ली जाने वालों की थी। आज भी करीब दो लाख कश्मीरी पंडित विस्थापित जीवन जीने के लिए मजबूर है।

शर्मा ने कहा कि कश्मीर को भारत में पूरी तरह से एकीकृत करने की मांग के साथ प्रतिरोध के बीज बोए गए थे। शर्मा ने कहा कि मुखर्जी का प्रतिष्ठित नारा 'एकजुट भारत के लिए साझा एजेंडा' आज भी राष्ट्रवादी हलकों में गूंजता है। उन्होंने कहा, 'हजारों कश्मीरी पंडितों को भगा दिया गया, उनके घर जला दिए गए और दशकों से उनका जीवन उजड़ गया।'

1988 की एक बड़ी घटना को याद करते हुए शर्मा ने कहा कि वह 'डोडा बचाओ, कश्मीरी पंडित बचाओ' के बैनर तले गोपीनाथ मुंडे के नेतृत्व में महाराष्ट्र से आए एक विशेष प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। समूह ने जम्मू में आंदोलन किया और सुषमा स्वराज सहित केंद्रीय भाजपा नेताओं ने उनका साथ दिया। शर्मा ने जोर देकर कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और उन्होंने नई पीढ़ी से न्याय और एकीकरण की मशाल को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

अमृता राव को थप्पड़ मारने पर ईशा देओल ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड इंडस्ट्री में अक्सर स्टार्स के बीच शूटिंग के दौरान झगड़े की खबरें सामने आती रहीं। लेकिन कुछ झगड़े सालों-साल सुर्खियों में रहते हैं। एक ऐसा ही विवाद साल 2005 में एक फिल्म के सेट पर भी हुआ था, जिसमें बॉलीवुड की दो एक्ट्रेसेस के बीच हुई कैट फाइट थप्पड़ तक पहुंच गई थी। हम बात कर कर रहे हैं ईशा देओल और अमृता राव के बीच हुए झगड़े की। ईशा ने फिल्म 'प्यारे मोहन' के सेट पर अमृता राव को थप्पड़ मार दिया था। ऐसे में अब सालों बाद ईशा ने इस पर खुलकर बात की है और बताया है कि उन्हें अपनी इस हरकत का जरा भी पछतावा नहीं है।

ईशा देओल ने हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया को अपना इंटरव्यू दिया। इस दौरान उन्होंने 'प्यारे मोहन' के सेट पर अमृता राव के साथ हुई घटना पर खुलकर बात की। ईशा ने कहा, 'हां, मैंने उसे थप्पड़ मारा क्योंकि उसने एक सीमा लांघी और मेरे आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाई थी।

इसी वजह से मैंने उन्हें थप्पड़ मारा था और वो अपने व्यवहार के लिए इसकी हकदार थीं। उस वक्त मैंने वही किया जो मुझे सही लगा। मुझे इसका कोई पछतावा नहीं है। मैं बस अपने और अपनी गरिमा के लिए खड़ी हुई।'

अमृता ने ईशा से मांगी माफी

ईशा देओल ने आगे बताया, 'बाद में अमृता राव को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने माफी मांगी। मैंने भी उन्हें माफ कर दिया। हमारे बीच अब कोई दुश्मनी नहीं है।' 'प्यारे मोहन' में ईशा देओल और अमृता राव के अलावा फरदीन खान और विवेक ओबेरॉय लीड रोल में थे। हालांकि, इस मूवी के बाद दोनों ने कभी साथ काम नहीं किया। बता दें कि दोनों एक्ट्रेसेस अपनी-अपनी पर्सनल लाइफ में बिजी हैं।

कल्याण से नाबालिग लड़की लापता

कल्याण. कल्याण पूर्व के काटेमनिवली से एक नाबालिग लड़की के गायब होने की शिकायत कोलसेवाड़ी पुलिस ठाणे में दर्ज करायी गयी है. कल्याण के काटेमनिवली इलाके में रहने वाली लड़की बुधवार को नवी मुंबई स्थित छात्रवास में जाने के लिए कह कर घर से निकली थी.11वीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की अपने साथ कागज पत्र भी ले गयी थी.

आम सूचना

हम श्रीमती भारती रामचंद मोटवाणी व श्रीमती सपना रामकुमार माधवाणी सभी को सूचित कर रहे हैं कि गोडाऊन, 416 चौ.फुट, मट्टन मार्केट के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 14बीआय015618400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती हेतल दीपक पंजाबी व श्रीमती मोना घनश्याम जेठवाणी के नाम पर है। उनसे रिलीज एग्रीमेंट 22.4.2025 सी.नं. 974 द्वारा हमने प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 15 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती भारती रामचंद मोटवाणी
व श्रीमती सपना रामकुमार माधवाणी

आम सूचना

मैं श्री कृष्णासामी पारी मुदलियार सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, 214 चौ.फुट, पीछे का भाग, चर्च, सुभाष नगर कालोनी, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 27बीओ004798600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती तेनमोझी नेहरू मुदलियार के नाम पर है। उनसे रिलीज एग्रीमेंट दि. 24.4.2025 सी.नं. 1501 द्वारा प्राप्त की है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री कृष्णासामी पारी मुदलियार

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099